भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1486** जिसका उत्तर
शुक्रवार, **10 फरवरी**, 2023/21 माघ, 1944 (शक) को दिया जाना है

राष्ट्रीय जलमार्ग-4

†1486. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय जलमार्ग-4 परियोजना का ब्यौरा क्या है;
(ख) इस परियोजना के अंतर्गत देश में अब तक स्वीकृत, आवंटित और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;
(ग) उक्त परियोजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य और अब तक प्राप्त की गई उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या इस परियोजना के अंतर्गत विकास कार्य में विलंब हुआ है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) सरकार द्वारा इसे शीघ्र पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) : आंध्र प्रदेश में मुक्तयाला-विजयवाड़ा (कृष्णा नदी, 82 कि. मी.) जलखंड, जो राष्ट्रीय जलमार्ग -4 (रा.ज.-4) का भाग है और आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु एवं पुदुच्चेरी के केंद्र शासित प्रदेश के साथ-साथ चलता है, का विकास प्रगति पर है।

(ख) : इस परियोजना के लिए 96 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से वर्ष 2017-18 से 2021-22 तक के लिए 53.98 करोड़ रूपए व्यय किए जा चुके हैं।

(ग) : यह परियोजना प्रगति पर है और वर्ष 2025-26 तक पूरी होने की संभावना है। अब तक पूरी हो चुकी परियोजनाओं में कृष्णा नदी के विजयवाड़ा-मुक्तयाला जलखंड में फेयरवे विकास कार्य, चार फ्लोटिंग पोंटूनों का फैब्रिकेशेन/स्थापन तथा हरिशचंद्रपुरम में रो-रो टर्मिनल के लिए भूमि अधिग्रहण शामिल है।

(घ) और (ङ) : जलमार्ग पर अत्यधिक अतिक्रमण के कारण रा.ज.-4 पर विकास कार्यों में विलंब हुआ था। परिणामस्वरूप, विकास कार्यों को सुधारा गया और इसे चरणबद्ध रूप में शुरू किया गया है। इब्राहिमपट्टणम और मुक्तयाला में रो-रो टर्मिनलों के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य आंध्रप्रदेश सरकार के साथ शुरू किया गया है जिसके लिए निधि हस्तांतरित की गई है।

*****